वार्तालाप – 412, कलकत्ता, ता. 5.10.07
Disc.CD-412, dated 5.10.07 at Calcutta

समय 30.10 – 34.38
जिज्ञासु :– बाबा, हिस्ट्री में जो शिवाजी का पार्ट दिखाया है इतना चमत्कार वह बाप का ही पार्ट है क्या?
बाबा :– शिवाजी को दिखाते है कि भारत का बड़े ते बड़ा सम्राट हुआ मुगल सल्तनत का औरंगजेब। उस औरंगजेब सम्राट को भी लोहे के चने चबा दिये और उसके कंट्रोल में नहीं आया। औरंगजेब जैसा सम्राट भी शिवाजी से हार गया। कितनी बार आक्रमण किये; परन्तु कब्जे में आते–आते भी कब्जे से निकल गया। ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनियाँ में उस आत्मा की शूटिंग होती है या नहीं होती हैं? होती है। विशेषता क्या होती है? मुसलामानों की लाखों की तादाद में सेना और उसके मुकाबले शिवाजी की मुट्ठी भर सेना। जो शास्त्रों में दिखाया है एक तरफ पाँच पांडव और दूसरी तरफ बेतादाद यादव और कौरव। फिर भी जीत किसकी हुई? पाँच पांडव, मुट्ठीभर पांडवों की जीत हो गयी।

Time: 30.10-34.38
Student: Baba, Shivaji's part (i.e. role) which has been shown in the history and his wonders; is that the father's part?
Baba: It is depicted about Shivaji that the greatest emperor of the Mughal sultanate in India was Aurangazeb. He was a hard nut to crack even for that emperor Aurangazeb and he did not come under his control. Even an emperor like Aurangazeb got defeated by Shivaji. He (i.e. Aurangzeb) attacked him so many times, and was almost captured but he slipped out of his captivity. Does the shooting of that soul take place in the Confluence-aged world of Brahmins or not? It takes place. What is the specialty? There was an army of the Muslims (i.e. Mughals) numbering lakhs and in comparison to it the army of Shivaji was just handful. It has been shown in the scriptures that on the one side were the five Pandavas and on the other hand were the unlimited Yadavas and Kauravas. Even so who emerged victorious? The five Pandavas, the handful of Pandavas emerged victorious.

किस कला में माहिर था शिवाजी? (किसी ने कहा – तलवार चलाना) कोई कला होगी उसके पास? (किसी ने कहा – तलवार चलाना) अरे, तलवार के तो धनी मुसलमान भी बहुत होते हैं। क़िला बनाने में एक्सपर्ट था। क्या? क़िला माने संगठन का क़िला बनवाने में, बनाने में बहुत मजबूत था। चुटकियों में किला तैयार करता था। और मुसलामानों की सेना उस क़िले में कुछ काम नहीं कर पाती थी। क़िला ऐसा तैयार करता था कि जिसमें सुरंग सबसे पहले तैयार करना है। अगर खुदा न खास्ता क़िला छोड़ना भी पड़े तो सुरंग से पता नहीं कहां के कहां चले गये। उनके हाथ ना रानियाँ लगनी और ना राजायें लगने। तो ये क़िले बनाने की शिफ्त थी। संगठन का किला बनाने की जो ताकत है जो शिवाजी में थी वह हिस्ट्री में और कोई भी राजा में नहीं थी। उनके बनाये हुए क़िले आज भी भारत वर्ष में टूटे–फूटे देखे जा सकते हैं।

In which art was Shivaji an expert? (Someone said – Swordsmanship (in using the sword)) Did he have any art? (Someone said – Swordsmanship) Arey, even the Muslims are expert swordsmen. He was expert in building forts. What? It means that he was very strong in building the fort-like gatherings and also in getting it built. He used to build forts within no time. And the army of Muslims used to be unable to do anything in that fort. He used to build such a fort in which the first thing to be built used to be the tunnel (*surang*). By chance, if the fort is required to be vacated, then nobody will know how they sneaked out of the tunnel? They (i.e. the enemies) would neither find the queens nor did they find the kings. So, he had this specialty of building forts. No other king in the history had the power of building forts that Shivaji

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

possessed. The forts built by him can be seen in a dilapidated condition even today in the Indian region.

जिज्ञासु :– बाबा, शिवाजी के बाद उनका पार्ट क्या था इतिहास में?
बाबा :– ये क्या? एक–एक की हिस्ट्री बताना है क्या? हीरो पार्टधारी है तो हीरो ही पार्ट बजायेगा। जहाँ कहीं भी, जिस जन्म में भी लेकर के पार्ट बजायेगा जरूर अपने ग्रुप के बीच में हीरो पार्ट बजायेगा। हीरो तो हीरो ही होता हैं। (किसी ने कहा – तो बाप का ही न पार्ट है वह?)
जिज्ञासु :– सुरंग माना क्या?
बाबा :– गुफा। पांडवों के लिए बताते हैं ना कि लाखा भवन में पांडवों को जलाने की युक्ति का उपाय किया गया; लेकिन पांडवों ने पहले से ही उनके लिए सुरंग तैयार कर लिये क़िले के अंदर।
जिज्ञासु :– बाबा इसका बेहद का अर्थ क्या है?
बाबा :– गुप्त स्थान। गुप्त रास्ता। ऐसा गुप्त रास्ता जिसकी खबर कोई को होती नहीं।

Student: Baba, what was Shivaji's next part in the history?
Baba: What is this? Should the history of each one be narrated? If he is a hero actor, he will play the part of a hero only. Wherever, in whichever birth he will play a part, he will certainly play the part of a hero in his group. Hero is always a hero. (Someone said – So, that is the father's part , isn't it?)
Student: What does '*surang*' (tunnel) mean?
Baba: Cave (*gufaa*). It is said about the Pandavas that a tact was adopted to burn the Pandavas in the Lac building, but the Pandavas dug a tunnel within the fort.
Student: Baba, what does it mean in an unlimited sense?
Baba: A secret place. A secret path. A secret path, which is not known to anyone.

समय 45.35 – 49.45
जिज्ञासु :– शिव, राम, कृष्ण जब बीजरूप में हो जाते हैं तो पूरा ही संकल्प बंद कर देता है या थोड़ा वार्तालाप करता है आपस में?
बाबा :– 500 करोड़ पुरुषार्थियों में नम्बरवार जो पुरूषार्थी होते हैं उनमें कोई तीखा ग्रुप ऐसा भी है जो बापदादा की श्रीमत है कि अभी–2 साकारी बनो, अभी–2 आकारी बनो, अभी–2 निराकारी। उस निराकारी स्टेज धारण करनेवालों की लिस्ट भी कोई होगी या नहीं होगी? उस लिस्ट में वह रामवाली आत्मा अब्बल नम्बर होनी चाहिए। जब चाहे निराकारी, निसंकल्पी स्टेज को धारण करे और उसका प्रूफ ये होगा कि उस आत्मा के संग के रंग में प्रैक्टिकल में जो भी आवेगा अगर उस कुल की आत्मा है तो अनुभव करेगा कि वह भी निसंकल्प हो गया। चाहे फोन के द्वारा संपर्क में आये, शरीर के द्वारा सम्बध में आये कोई भी रूप में आवेगा कुछ क्षण के लिए ये अनुभव जरूर करेगा । वो निसंकल्प जरूर हो जावेगा।

Time: 45.35-49.45
Student: When Shiv, Ram, Krishna become seed-form, then do they stop thinking completely or do they communicate with each other to some extent?
Baba: Among the 500 crore effort-makers, among the numberwise effortmakers there is one shrewd group as well, for whom Bapdada has given a Shrimat that – become corporeal just now, then become subtle in a moment and become incorporeal the next moment. Will there be a list of those who attain that incorporeal stage or not? That soul of Ram should be number one in that list. He should attain the incorporeal, thoughtless stage whenever he wishes and its proof would be that whoever keeps the company of that soul, if that soul belongs to his clan, then he will experience that he too has become thoughtless. Whether one comes in contact through

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

phone, whether one comes in relationship through the body, he will certainly experience it for a few moments. He will certainly become thoughtless.

जिज्ञासु :– वो तो ठीक है बाबा। हमने क्या बोला कि राम वाली आत्मा की भृकुटि में शिव, कृष्ण, राम तीन आत्मा है और तीनों आत्मा बीजरूप स्टेज में है; लेकिन जब बीजरूप स्टेज में होता है तो आपस में क्या पूरा ही निसंकल्प रहते हैं या वार्तालाप भी अंदर में आपस में करते हैं?.....
बाबा :– अगर अंदर–2 संकल्प चलते हैं तो आकारी स्टेज है या निराकारी स्टेज है? आकारी कहेंगे।
जिज्ञासु :– तो दैट मीन्स (that means) तीनों एक साथ में रहते है। कोई बातचीत नहीं होता है चुपचाप रहते है।
बाबा :– जरूरत क्या है? ज्यादा वायब्रेशन अच्छा निराकारी स्टेज में बनता है या आकारी स्टेज में बनता है या साकारी स्टेज में बनता है? निराकारी स्टेज से बहुत अच्छा वायब्रेशन बनता है। ऑटोमेटिक सर्विस होती हैं।

Student: That is alright Baba. What I said was that there are three souls, i.e. Shiv, Ram and Krishna in the middle of the forehead of the soul of Ram and all the three souls are in a seed-form stage, but when they are in a seed-form stage, do they remain completely thoughtless or do they communicate with each other amongst themselves internally?
Baba: If thoughts are created within, then is it a subtle stage or an incorporeal stage? It will be said to be subtle.
Student: So, that means all three are together. There is no communication. They remain silent.
Baba: What is the need? Are better vibrations created in an incorporeal stage or in a subtle stage or in a corporeal stage? Very good vibrations are created in an incorporeal stage. Automatic service takes place.

जिज्ञासु :– लेकिन शिवबाबा तो कृष्णवाली आत्मा को डायरैक्शन देगा ना कि तुम वहाँ जाओ, वहाँ जाओ। हजार भुजाओं में पार्ट बजाओ। ऐसा बजाओ, वैसा बजाओ। ये सब बोलना नहीं पड़ेगा?
बाबा :– बोला ना, जो कृष्ण वाली आत्मा है वह अभी ओरीजिनल रूप में आकारी है या निराकारी है या साकारी है? आकारी जो होते हैं उनको वाचा की जरूरत होती है? जो सूक्ष्म शरीरधारी आत्मायें है उनको वाचा की जरूरत है? नहीं। संकल्प मात्र से ही उनको समझना हैं।

Student: But Shivbaba will give directions to the soul of Krishna, that you go there, go here, won't he? (Go and) play the part (by entering) in the 1000 arms. Play a part like this, play a part like that. Will he not be required to speak all this?
Baba: It was said just now, wasn't it? Is the soul of Krishna subtle, incorporeal or corporeal in its original form? Do those who are subtle, require to speak? Do those who are subtle bodied souls require to speak? No. They have to understand only through thoughts.

जिज्ञासु :– संकल्प तो मन से होता हैं; लेकिन शिवबाबा तो बीजरूप में हैं। तो ये जो संकल्प कुछ इन्फॉरमेशन देना होगा तो बुद्धि द्वारा देगा?
बाबा :– रामवाली आत्मा साथ में नहीं है?
जिज्ञासु :– रामवाली आत्मा भी साथ में हैं; लेकिन बीजरूपी स्टेज में है। बाबा :– तो क्या हुआ? तो जब चाहे तब आकारी बन जाये एक सेकण्ड के लिए आकारी बन जाय। (किसी ने कहा – अंदर?) और क्या। अंदर क्या बाहर आके?
जिज्ञासु :– जब बीजरूप स्टेज है तो दैट मीन्स (that means) बीच–बीच में आकारी में आ सकते हैं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा– एक सेकण्ड में आकारी और एक सेकण्ड में साकारी, एक सेकण्ड में निराकारी।

Student: Thoughts are created through mind, but Shivbaba is in a seed-form. So, if these thoughts need to give some information, will he give it through the intellect.
Baba: Is the soul of Ram not present alongside?
Student: The soul of Ram is also accompanying, but it is in a seed-form stage.
Baba: So, what? So, whenever he wishes he can become subtle in a second. (Someone said – Within?) Then what? Should he come out?
Student: When the stage is seed-form, then that means that they can become subtle in between?
Baba: They can become subtle in a second, and corporeal in a second and incorporeal in a second.

जिज्ञासु :– दैट मीन्स (that means) अंदर में साकारी–आकारी–निराकारी आ सकते है?
बाबा :– हाँ जी।
जिज्ञासु :– परमधाम में बातचीत नहीं होता है?
बाबा :– हां, तो वहाँ तो हैं 5000 साल का परमधाम और यहाँ लिमिट कितनी है परमधाम की? कम से कम परमधाम कितने साल का हो सकता है? एक सेकण्ड का भी परमधाम कहेंगे।

Student: That means that they can become corporeal, subtle and incorporeal internally?
Baba: Yes.
Student: Is there no communication in the Supreme Abode?
Baba: Yes, there it is a Supreme Abode for 5000 years and here what is the limit for the Supreme Abode? For how many years can the Supreme Abode exist at the least? The Supreme Abode can be said to exist (here) even for a second.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info